Daily Gospel Reflections in Hindi

02 August 2019

लूकस 12:4-12

BEAR WITNESS FEARLESSLY

भय बहुत सी चीजों की जननी है। भय एक पराधीनता है जिस में बंध कर हम अपना वास्तविक स्वभाव भूल कर भय के अनुसार आचरण करने लगते हैं। प्रभु कहते हैं कि किसी से भी भयभीत होने की जरुरत नहीं क्यों कि संसार में के पास इतनी शक्ति नहीं कि वह हमारे शरीर के साथ –साथ हमारी आत्मा का भी सर्वनाश कर सके। सिर्फ हमारे सृष्टिकर्ता के पास यही शक्ति है। हम संसार में इतनें रम जाते हैं कि ईश्वर का भय सबसे आखिरी हो जाता है और इस से पहले हम घर–परिवार, संपत्ति, संतान आदि के भय में स्वयं को बांध कर उन के अधीन हो जाते हैं। यही कारण है कि कुछ लोग निर्दय, अमानवीय व क्रूर बन जाते है और गैर कानूनी कार्य करने में भी नहीं हिचकते।

प्रभु हमें आश्वस्त करतें हें कि यदि हम उनके राज्य के कार्य में लगें रहें तो वे ना केवल हमारी हर आध्यात्मिक व भौतिक जरुरतों को पूरा करेंगा बल्कि कोई भी हमें नुकसान नहीं पहुचा पायेगा। जो प्रभु पल भर के घास की रक्षा करता और उसे सजाता है वही प्रभु हमें भी सजायेगा और हमारी रक्षा करेगा। हमारा कर्तव्य है कि हम निर्भय होकर ईश्वर के राज्य के लिए समर्पित हो जाएं।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019